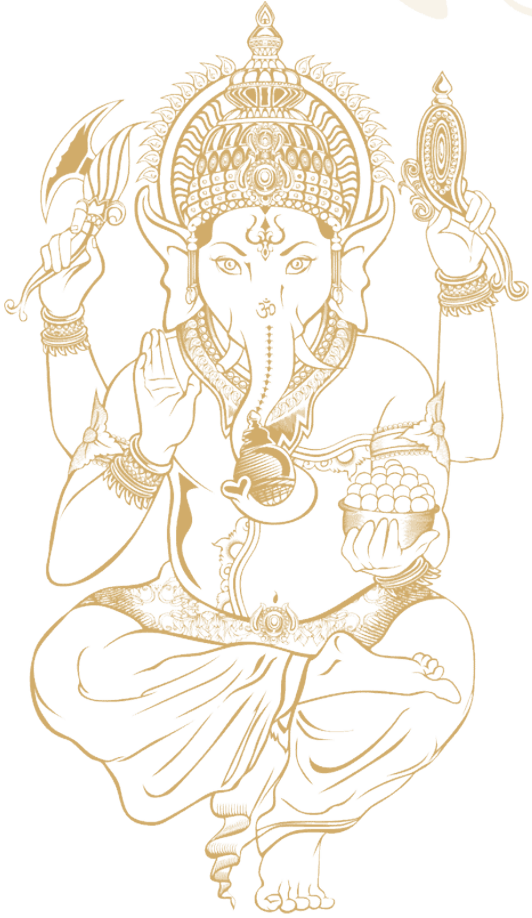

Mr.

28 Apr 1986

09:45 AM

Jhajjar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121750204

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 28/04/1986**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 09:45:00 घंटे**
इष्ट	: 09:58:00 घटी
स्थान	**: Jhajjar**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 28:36:00 उत्तर
रेखांश	: 76:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:23:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:21:48 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:28 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:45:12 घंटे
सूर्योदय	: 05:45:47 घंटे
सूर्यास्त	: 18:56:12 घंटे
दिनमान	: 13:10:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 13:55:37 मेष
लग्न के अंश	: 15:18:48 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शिव
करण	: कौलव
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:18:48	319:21:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	13:55:37	00:58:19	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	04:51:12	14:40:08	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			धनु	20:21:59	00:23:01	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			मीन	20:42:49	01:31:35	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			कुंभ	21:09:41	00:11:21	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			वृष	08:01:00	01:13:06	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		वृश्चि	14:48:14	00:03:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	06:18:03	00:00:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:18:03	00:00:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	28:17:50	00:01:30	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	12:01:59	00:00:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	12:15:47	00:01:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मीन	02:18:00	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:48

लग्न-चलित

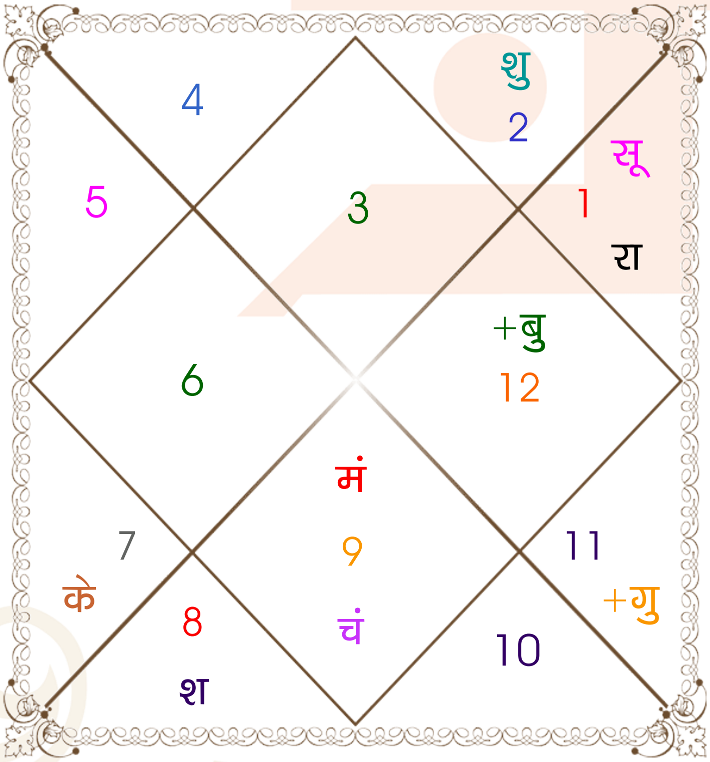

चन्द्र कुंडली

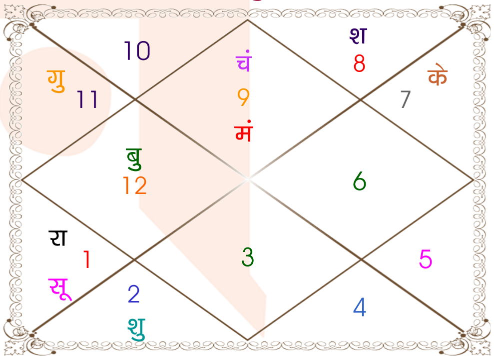

नवमांश कुंडली

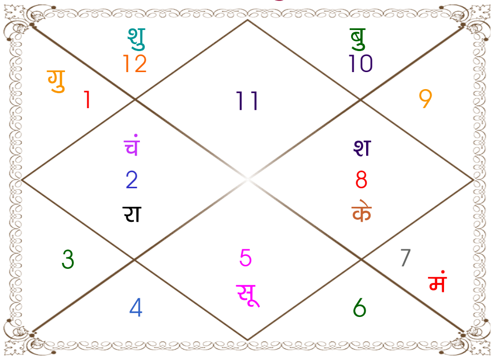

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 5 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/04/1986		10/10/1990		10/10/2010		09/10/2016		10/10/2026	
10/10/1990		10/10/2010		09/10/2016		10/10/2026		10/10/2033	
	00/00/0000	शुक्र	08/02/1994	सूर्य	28/01/2011	चंद्र	10/08/2017	मंगल	08/03/2027
	00/00/0000	सूर्य	09/02/1995	चंद्र	29/07/2011	मंगल	11/03/2018	राहु	26/03/2028
	00/00/0000	चंद्र	09/10/1996	मंगल	04/12/2011	राहु	10/09/2019	गुरु	02/03/2029
	28/04/1986	मंगल	10/12/1997	राहु	28/10/2012	गुरु	09/01/2021	शनि	10/04/2030
मंगल	10/09/1986	राहु	09/12/2000	गुरु	16/08/2013	शनि	10/08/2022	बुध	08/04/2031
राहु	28/09/1987	गुरु	10/08/2003	शनि	29/07/2014	बुध	10/01/2024	केतु	04/09/2031
गुरु	03/09/1988	शनि	10/10/2006	बुध	04/06/2015	केतु	10/08/2024	शुक्र	03/11/2032
शनि	13/10/1989	बुध	10/08/2009	केतु	10/10/2015	शुक्र	10/04/2026	सूर्य	11/03/2033
बुध	10/10/1990	केतु	10/10/2010	शुक्र	09/10/2016	सूर्य	10/10/2026	चंद्र	10/10/2033

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/10/2033		10/10/2051		10/10/2067		10/10/2086		11/10/2103	
10/10/2051		10/10/2067		10/10/2086		11/10/2103		00/00/0000	
राहु	22/06/2036	गुरु	27/11/2053	शनि	13/10/2070	बुध	08/03/2089	केतु	08/03/2104
गुरु	16/11/2038	शनि	10/06/2056	बुध	22/06/2073	केतु	05/03/2090	शुक्र	09/05/2105
शनि	21/09/2041	बुध	16/09/2058	केतु	01/08/2074	शुक्र	03/01/2093	सूर्य	13/09/2105
बुध	10/04/2044	केतु	23/08/2059	शुक्र	01/10/2077	सूर्य	09/11/2093	चंद्र	14/04/2106
केतु	28/04/2045	शुक्र	23/04/2062	सूर्य	13/09/2078	चंद्र	11/04/2095	मंगल	29/04/2106
शुक्र	28/04/2048	सूर्य	09/02/2063	चंद्र	13/04/2080	मंगल	07/04/2096		00/00/0000
सूर्य	23/03/2049	चंद्र	10/06/2064	मंगल	23/05/2081	राहु	25/10/2098		00/00/0000
चंद्र	22/09/2050	मंगल	17/05/2065	राहु	29/03/2084	गुरु	31/01/2101		00/00/0000
मंगल	10/10/2051	राहु	10/10/2067	गुरु	10/10/2086	शनि	11/10/2103		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।